संस्कृत व्याकरण

(346)

शिक्षक अंकित मूल्यांकन पत्र

पूर्णांक-20 अंक

निर्देश: 1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न पत्र के दाहिनी तरफ अंक दिये गए है।
2. उत्तर पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अपना नाम, अनुक्रमांक संख्या, अध्ययन केंद्र का नाम लिखना है।

1. निम्न में से किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए- 2
   (क) 'समर्थ: पदविधि:' इस सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए। (पाठ-1)
   (ख) 'अव्ययीभाव में समसंत टच् प्रत्यय के प्रयोजन को लिखिए। (पाठ-1)
2. निम्न में से किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए- 2
   (क) 'तृतीया तत्कृतार्थेन गुणवचने' इस सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए। (पाठ-20)
   (ख) 'कर्तृकरणे कृता बहुलम्' यहाँ पर बहुलम् पद का क्या प्रयोजन है। (पाठ-2)
3. निम्न में से किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए- 2
   (क) उत्तरपदलोपी समस का उदाहरण लिखिए। (पाठ-3)
   (ख) 'हलदंतात् सप्तम्या संज्ञायाम्' इस सूत्र को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। (पाठ-5)
4. निम्न में से किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए- 4
   (क) तत्पुरुष समास के भेदों को स्पष्ट कीजिए। (पाठ-3)
   (ख) 'तत्परयोजको हेतुश्च' इस सूत्र की व्याख्या कीजिए। (पाठ-24)
5. निम्न में से किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए- 4
   (क) 'भावकर्मणौ' इस सूत्र की विवेचना कीजिए। (पाठ-27)
   (ख) कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य और भाव वाच्य के पाँच पाँच उदाहरण लिखिए। (पाठ-27)
6. निम्न में से किसी एक विषय पर एक परियोजना का निर्माण कीजिए- 6
   (क) पीपठिषति, जिगमिषति, तितांसति, चिकिर्षती और मुमूर्षते रूपों की सिद्धि कीजिए। (पाठ-25)
   (ख) दस लकार किस किस अर्थ में प्रयुक्त होते हैं? सूत्र सहित स्पष्ट कीजिए। (पाठ-25)